रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 04 ● कानपुर 16 से 28 फरवरी 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

अब इलेक्ट्रो होम्यापैथी को विकास हेतु

आवश्यकता है सरकारी नियंत्रण की

इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक ऐसा आन्दोलन है जिसकी गति पल–पल बदलती रहती है इलेक्ट्रो होम्योपैथी में कलान्तर से लेकर आजतक इस आन्दोलन में अनेक उतार चढ़ाव देखे हैं, कई परिवर्तन हुए कुछ बदले ! कुछ जुड़े !! समय ज्यों–ज्यों बढ़ा इस आन्दोलन का स्वरूप भी बदला, 160 वर्षों का लम्बा इतिहास ओढ़े हुए यह आन्दोलन आज भी अपनी पूर्ण स्थिति को नहीं पा सका, यह अलग बात है कि इस आन्दोलन के स्वरूप में तरह तरह के परिवर्तन हुए हैं कभी नाम में परिवर्तन तो कभी औषधि निर्माण में परिवर्तन, इन सारे परिवर्तनों को सहन करते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी निरन्तर आगे बढ़ रही है, परन्तु भारत की बात क्यों करें सारे विश्व में जहाँ–जहाँ भी यह चिकित्सा पद्धति व्यवहार में लायी जा रही है वहाँ पर अभी भी आन्दोलन की शक्ल में स्थान तलाश रही है।

कुछ राष्ट्र ऐसे हैं जहाँ स्थानीय सरकारों द्वारा इस चिकित्सा पद्धति को संचालन की मौन स्वीकृति है, जबकि भारत जैसे विशाल राष्ट्र में इस चिकित्सा पद्धति के विधि सम्मत ढंग से संचालित होते रहने के लिए शासकीय आदेश सहयोग व समर्थन प्राप्त है परन्तु इतना होने के उपरान्त भी भारत के हम सब इलेक्ट्रो होम्योपैथ जिस प्रतीक्षा में हैं वह प्रतीक्षा समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है, प्रायः यह कहा जाता है कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी के कार्य जनप्रभावी हैं जनता उनका लाभ ले रही है परन्तु इतना सबकुछ होने के उपरान्त भी जो सरकारी संरक्षण हमें मिलना चाहिये उस संरक्षण की प्रतीक्षा में हम सब आज भी हैं।

एकान्त में बैठकर यदि इस विषय पर चिन्तन किया जाये तो यही निष्कर्ष निकलता है कि इतना कार्य और इतने प्रयासों के उपरान्त भी इस चिकित्सा पद्धति की उपेक्षा क्यों है ? बहुत सारे बिन्दुओं पर विचार करने के बाद इसी निर्णय पर मन आकर टिकता है कि हमारी उपेक्षा का कारण यह है कि हमने कभी भी अपने कार्यों का प्रमाणिक स्तर तैयार नहीं किया।

इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब तक सरकार की कृपा दृष्टि नहीं होती है तब तक कुछ भी प्रगति किसी क्षेत्र में नहीं हो सकती है।

शासकीय नियंत्रण न होने के कारण इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अराजकता ने जन्म लिया कुछ पटल पर अनेकों संस्थायें जन्मीं कुछ पटल पर आयीं, कुछ कागज़ी बनकर दम तोड़ गयीं

इन्हीं गतिविधियों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के पहिये को आगे बढ़ने से रोका

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति अविष्कृत की, सारी दुनिया को यह बताने का प्रयास किया कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति लाभकारी है परन्तु लोगों ने काउण्ट सीज़र मैटी की नहीं सुनीं यह तो समय की बात थी कि जर्मनी के किसी एक क्षेत्र में डायरिया इस कदर फैला कि उस पर नियन्त्रण पाना मुश्किल सा हो गया, सामान्य जन परेशान थे, तब काउण्ट सीज़र मैटी ने स्थानीय प्रशासन से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता का दावा ठोका, परिस्थितियां विपरीत थीं, जनता परेशान थी, तब स्थानीय प्रशासन ने काउण्ट सीज़र मैटी को इस बात की अनुमति दी कि वह अपनी औषधियों का प्रयोग जनता पर कर सकते हैं।

काउण्ट सीज़र मैटी ने समय का लाभ उठाते हुए इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों का प्रयोग किया और अपनी उपयोगिता सिद्ध की, मैटी के इस एक प्रयास ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को स्थापित करने में महत्ती भूमिका निर्वाहन किया।

कल तक जो लोग डा0 मैटी और उनकी पद्धति इलेक्ट्रो होम्योपैथी का उपहास करते थे आज वही उनके समर्थन में खड़े थे, लिखने का तात्पर्य यह है कि जन समर्थन के लिये सत्ता व शासन का सहयोग बहुत आवश्यक है, ऐसा नहीं है कि भारतवर्ष में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को सत्ता का समर्थन नहीं मिला यहाँ भी मिला है और आगे भी मिलता रहेगा परन्तु सहयोग के लिये हमें कार्य करने पड़ते हैं, यदि थोड़ा सा फ्लैशबैक में जायें तो आपको स्वयं ही ज्ञात हो जायेगा कि किस प्रकार से इलेक्ट्रो होम्योपैथी को शासकीय सहयोग प्राप्त हुआ।

देश के स्वतन्त्र होने के तत्काल बाद जब देश में चिकित्सा पद्धतियों का इतना विकास नहीं हुआ था आयुर्वेद का ही हर जगह बोल–बाला था एलोपैथी भी अपने प्रगति के पथ पर अग्रसर थी, उस समय अनेक ऐसी पद्धतियों जिनको उस समय तक शासकीय संरक्षण प्राप्त नहीं था, ऐसी पद्धतियों ने अपनी योग्यता की आवाज़ बुलन्द की और उनकी यह आवाज़ तत्कालीन प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरु तक पहुँची तब नेहरु जी ने हर चिकित्सा पद्धति को अपनी–अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर दिया, यह अवसर इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भी प्राप्त हुआ तब पं0 जवाहर लाल नेहरु ने उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व0 गोविन्द बल्लभ पंत को निर्देशित किया कि वे अपने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता एवं योग्यता सिद्ध होने के प्रमाण प्राप्त करें।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कानपुर के तत्कालीन सिविल सर्जन (आज का सी0एम0ओ0) को निर्देशित किया कि आप अपनी देख–रेख में इलेक्ट्रो होम्योपैथी की तरफ़ से जो दावे प्रस्तुत किये गये हैं उन्हें जाँचें एवं निरीक्षणोपरान्त जाँच आख्या सरकार को प्रस्तुत करें।

हमारे पाठक यह सोच रहे होंगे कि इतने बड़े देश में यह अवसर उत्तर प्रदेश राज्य को ही क्यों मिला ? तो आपको अवगत कराते चलें कि प्रारम्भ से ही इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आन्दोलन का प्रवाह उत्तर प्रदेश से और विशेषतः उस समय उत्तर भारत का मैन्चेस्टर कहलाने वाला शहर कानपुर से ही होता था एवं आज भी यह परम्परा जीवित है।

सिविल सर्जन के निर्देश पर दावा करने वाले चिकित्सक को कुछ कुष्ठ के रोगी दिये गये और कहा गया कि इन रोगियों को इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा विधा से उपचार देते हुये इलेक्ट्रो होम्योपैथी की उपयोगिता सिद्ध करें, (स्मरण रहे कि सारे रोगियों को एलोपैथिक चिकित्सकों ने ला इलाज घोषित कर दिया था) चिकित्सक महोदय ने सरकार की चुनौती को स्वीकार किया एवं सफ़ल परिणाम दिये इन्हीं परिणामों का उपहार था कि 27 मार्च, 1953 को प्रथम अर्धशासकीय पत्र इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये जारी हुआ, यह गरिमामयी उपलब्धि किसी और ने नहीं अपितु हम सब के प्रेरणास्रोत स्व0 डा0 नन्द लाल सिंहा ने अर्जित की थी और यह अर्धशासकीय पत्र इस बात को प्रमाणित करता है कि आज से 72 वर्ष पूर्व जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी का इतना विकास नहीं हुआ था तब भी अपनी श्रेयस्कर भूमिका में थी।

यहां बताने का तात्पर्य यह है कि कार्य अपनी

शेष पेज 2 पर

ज्ञान नहीं अभिमान अधिक

ज्ञान का होना जितनी व्यक्तिगत उपलब्धि है उतनी ही परमेश्वर द्वारा प्रदान की गयी क्षमता है, एक ओर जहाँ ज्ञान व्यक्ति में विनम्रता को जन्म देता है वहीं दूसरी ओर यही ज्ञान कभी कभी अज्ञानता वश व्यक्ति में अहंकार को जन्म दे देता है, ज्ञान जबतक सीमाओं में रहता है तब तक वह फलदायी होता है और जैसे ही ज्ञान सीमायें तोड़ने लगता है, तो यही टुटी हुई सीमायें मर्यादा उल्लघन में तनिक भी देर नहीं लगाती हैं।

संसार में ज्ञान की सदैव से पूजा होती चली आयी है क्योंकि ज्ञान ही अज्ञानता के अंधकार को हटाता है यदि मनुष्य के मन में अज्ञानता बनी रहती है तो वह व्यक्ति न तो अपने लिए कुछ कर पाता है और न ही समाज को कुछ दे पाता है, ऐसा कहा जाता है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में रहने वाले हर प्राणी का यह दायित्व होता है कि समाज के नियमों और परिनियमों का पालन करते हुए समाज को एक मर्यादित रूप में संचालित होते रहने की कल्पना को साकार करे, ज्ञान जब अभिमान बन जाता है तो यह अभिमान ज्ञानी पुरूष के लिए अभिशाप भी बन जाता है और धीरे–धीरे वह अज्ञानी व्यक्ति स्वतः ही रसातल को चला जाता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी बहुत सारे ज्ञानी व्यक्ति हैं जो समय–समम पर अपने ज्ञान का प्रर्दशन करते रहते हैं जब तक उनका ज्ञान समाज के लिए लाभकारी होता है तब तक तो समाज उसे स्वीकार करता रहता है परन्तु जब दिया गया ज्ञान सीमाओं को तोड़ने लगता है तब न तो वह व्यक्ति स्वीकार होता है और न ही उसकी बतायी हुई बातें।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बीते कुछ दिनों से ऐसी ऐसी बातें सामने आयी हैं जिनपर भरोसा करना मुश्किल होता है इस पर जो हमारे ज्ञानी जन हैं वह कुछ इस प्रकार के तर्क देते हैं जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि मानों ज्ञान का सारा भण्डार उन्हीं के पास है, आपको याद होगा कि वर्ष 2018 में जब राजस्थान के सन्दर्भ जिस प्रकार की बातें सामने आयीं वह कभी तो पछतावें की तरफ़ और कभी छलावें की तरफ़ इंगित करती थीं, यह बहुत सुन्दर बात है और अच्छी बात है कि किसी राज्य में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सरकारी विधेयक लाया गया परन्तु उसका जिस तरह से प्रस्तुतीकरण किया गया वह किसी भी स्तर से दूरगामी सोच वाला नहीं है, अभी मात्र विधेयक लाया गया था उसपर चर्चा होनी शेष थी चर्चा के बाद जो परिणाम आयेंगे वही प्रयोग में लाये जायेंगे अगर यह सत्य इसी प्रकार कहा जाता तो सम्भवतः स्थिति कुछ और होती परन्तु किसी भी बात को इस कदर घुमा फिरा कर कहना की वह वास्तविकता से कोसों दूर हो जाता है।

जनता को सोशल मीडिया के माध्यम से और समाचार पत्रों के माध्यम से जब यह बताया गया कि राजस्थान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी मान्यता सम्बन्धी विधेयक ध्वनमति से पारित हो गया जब यह खबर आम जन तक पहुंची तो एक बार तो पूरे देश का इलेक्ट्रो होम्योपैथ हर्ष से उत्साहित हो गया परन्तु दूसरे ही क्षण जब कुछ जानकार लोगों के द्वारा इस विषय पर टिप्पणी की गयी तो इलेक्ट्रो होम्योपैथी के ज्ञानियों ने जिस प्रकार की बातें कहीं वह कहीं न कहीं से भ्रामक वक्तव्य से कम नहीं लगती हैं, इसपर जब हम थोड़ा भी चिन्तन करते हैं, जो जो बात सामने आती है वह यह है कि हमारे साथियों को अपने ज्ञान पर इतना अभिमान है कि वह सामने वाले को मूर्ख के अलावा कुछ नहीं समझते हैं, यह बात कभी भी नहीं भूलनी चाहिये कि मूर्ख कभी कभी ऐसी परिस्थिति पैदा कर देता है कि जिससे उबरने में ज्ञानियों को भी सारी ऊर्जा लगा देनी पड़ती है, किसी हास्य कवि ने बड़ी सुन्दर बात कही है कि..... हरियाणा एक ऐसा राज्य है, जहां से सबसे अधिक उपदेशक और धर्म प्रचारक पैदा होते हैं।

हर व्यक्ति एक दूसरे को उपदेश और ज्ञान देता है इसी प्रसंग में एक ज्ञानी, एक सीधे सादे व्यक्ति को ज्ञान देने लगा, तब उस व्यक्ति ने बहुत ही मार्मिक और सटीक उत्तर दिया कि वर्षों पहले भगवान श्री कृष्ण कुरूक्षेत्र में ज्ञान दे गये थे अब हमें ज्ञान की क्या जरूरत, कहने का तात्पर्य यह है कि किसी की बातें तब तक सुनने और समझने में रोचक लगती हैं जब तक सुनने वाला व्यक्ति यह समझकर सुनता है कि जो कुछ भी हमें सुनाया जा रहा है वह सत्यता से परे नहीं है और वास्तविकता के करीब है परन्तु बात जब समझ में न आये तब वह बात न तो सुनने में अच्छी लगती है और न ही समझने में, आने वाले समय में अब जो कुछ भी होगा, निश्चित रूप से इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए एक दिशा तो तय कर ही देगा।

आवश्यकता है सरकारी

.....प्रथम पेज से आगे

प्रमाणिकता स्वंय सिद्ध करता है परन्तु यह प्रमाणिकता तब ही प्रभावी हो पाती है जब इस प्रमाण को कोई सरकारी इकाई प्रमाणित करती है, ऐसा नहीं है कि इन 72 वर्षों में कोई कार्य नहीं हुआ, इन 72 वर्षों में अनेक गुणात्मक परिवर्तन हुये हैं, शिक्षा के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में, औषधि निर्माण के क्षेत्र में व साहित्य सृजन के क्षेत्र में कई क्रान्तिकारी परिवर्तन हुये हैं, मौलिकता में बिना छेड़ – छाड़ किये यह परिवर्तन विकास की कहानी स्वंय चीख–चीख कर कह रहे हैं परन्तु इन परिवर्तनों का जो लाभ वास्तव में इलेक्ट्रो होम्योपैथी को प्राप्त होना चाहिये था वह आज तक प्राप्त नहीं हो सका ! इसके मूल में जो तथ्य हैं वह यह है कि किसी भी सरकारी एजेन्सी नें गम्भीरता से हमारे दावों को नहीं परखा और न ही हमारे कार्यों का वास्तविक मूल्यांकन हो पाया, काम करने की पूरी छूट थी और है इसी छूट ने बिना किसी शासकीय नियंत्रण के इलेक्ट्रो होम्योपैथी में अराजकता को जन्म दिया अनेकों संस्थायें जन्मीं, कुछ पटल पर आयीं, कुछ कागज़ी बनकर दम तोड़ गयीं इन्हीं गतिविधियों ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विकास के पहिये को आगे बढ़ने से रोका और गम्भीर स्थिति का सामना भी करवाया, खैर जो कुछ भी था गुज़र गया, आज नया सुप्रभात हमारा इन्तेज़ार कर रहा है कि हम कार्य करें और अपने इन कार्यों से समाज व आम जनमानस को लाभान्वित करें परन्तु साथ ही साथ यह भी ध्यान रखें कि हम जो भी कार्य करें उसके मूल्यांकन के लिये अपने प्रयास भी करें, हमारे यहाँ बहुत काम हुआ है और उनके परिणाम भी अच्छे आये हैं लेकिन वास्तविक प्रचार न होने के कारण हमारे कार्यों को वह स्थान नहीं मिल पाया जो मिलना चाहिये ! कैन्सर व कुष्ठ जैसी ला–इलाज व गम्भीर बीमारियों पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति ने अपनी छाप छोड़ी है एवं आशातीत सफ़लता भी अर्जित की है परन्तु सरकारी एजेन्सियों के सहयोग नहीं मिलने के कारण जन समर्थन नहीं मिल पा रहा है अस्तु यह बहुत आवश्यक है कि बिना किसी विलम्ब के हम अपने कार्यों का मूल्यांकन करवाने का प्रयास किसी सरकारी एजेन्सी से अवश्य करें इसका लाभ मिलता है, हम दो उदाहरण यहां देना चाहेंगे 1) उ0प्र0 के पूर्वी ज़िलों जैसे गोरखापुर, महाराजगंज, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर के क्षेत्रों में इन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) महामारी के रुप में जान व माल दोनों को ही प्रभावित करता है, गत 20 वर्षों से क्षेत्रीय निवासियों के लिये कहर बनकर आता है, इससे लोगों में दहशत का भाव पैदा हो जाता है, प्रचलित चिकित्सा पद्धतियां अभी तक इसपर नियन्त्रण नहीं पा सकी हैं, कुछ माह पहले गोरखपुर के एक कार्यक्रम में एक दवा निर्माता व चिकित्सक ने इन्सेफलाइटिस पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी औषधियों के प्रभाव पर चर्चा की, लोगों ने इसे हाथों–हाथ लिया चिकित्सक महोदय ने स्वंय बताया कि मीडिया में भी इस बात की चर्चा हुयी अगर हमारे चिकित्सक महोदय इस अवसर का लाभ उठाते एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों की उपयोगिता सिद्ध करते तो सम्भवतः स्थिति कुछ बन जाती, 2) बिहार राज्य के पटना के एक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक ने कैन्सर के हाई– प्रोफाइल रोगी पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक औषधियों की उपयोगिता सिद्ध कर दी इसका प्रचार भी खूब हुआ, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की जी खोलकर सराहना की आज भी वर्तमान सांसद जहाँ कहीं भी किसी चिकित्सा विधा से सम्बंधित कार्यक्रम में जाते हैं तो वे इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चर्चा करते नहीं अघाते इसका लाभ यह तो हुआ कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की चर्चा तो खूब हुयी, सम्बंधित चिकित्सक की दुकान भी खूब चल निकली।

यहाँ पर देखा जाये तो जो लाभ इलेक्ट्रो होम्योपैथी को होना चाहिये वह नहीं हुआ इसलिये हम सब को मिलकर यह प्रयास करना होगा कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिये कार्य करें एवं अपने नज़दीक जो कोई भी सरकारी एजेन्सी हो जैसे पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 आदि से सम्पर्क कर अपने कार्यों के बारे में बतायें और प्रयास करें कि वह आप से प्रभावित भी हों।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0

8–लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्या0 : 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

Email: registrarbehmup@gmail.com

पत्रांक – 569/बी0ई0एच0एम0/2025 दिनांक 03.02.2025

सेवा में,

समस्त समन्वयक/व्यवस्थापक

सम्बद्ध मेडिकल इन्सटीट्यूट/इन्सटीट्यूट एवं स्टडी सेन्टर

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्यापैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

विषय– स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के सम्बन्ध में।

प्रिय महोदय,

बोर्ड द्वारा सम्बद्ध मेडिकल इन्सटीट्यूट/इन्सटीट्यूट एवं स्टडी सेन्टर्स की बैठक दिनांक 29 जनवरी 2025 को पूर्व निर्धारित सूचना अनुसार लखनऊ कार्यालय में सम्पन्न हुयी, जिसमें निम्न सदस्य उपस्थित हुए तथा निम्न निर्णय लिये गये।

1.	प्रताप नारायण कुशवाहा	रायबरेली	9415177119
2.	अयाज अहमद	वलीदपुर मऊ	9305963908
3.	गौरव द्विवेदी	उन्नाव	9935332052
4.	नरेन्द्र निगम	हमीरपुर	9889426312
5.	आशुतोश कपूर	लखनऊ	7007592773
6.	राकेश शर्मा	लखीमपुर	9454236971
7.	राम औतार कुशवाहा	कानपुर	9793264649
8.	शिव कुमार पाल	फिरोजाबाद	9027342889
9.	यश0 के0 सक्सेना	मुरादाबाद	8171869605

1. विद्यालयों से अध्ययनरत छात्रों की संख्या की जानकारी ली जाए।
2 पुराने छात्र, चिकित्सकों को आमंत्रित करने का प्रयास किया जाए।
3 छात्रों को प्र□ास्ति पत्र दिया जाए इसके लिए विद्यालयों से आने वाले छात्रों की सूची मगायी जाए।
4 एसोसिए□ान के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र एवं परिचय पत्र जारी होने चाहिए।
5 कार्यक्रम की चरणबद्ध योजना बननी चाहिए।
6 स्वर्ण जयंती के पटके बनवाए जाए।
7 चिकित्सक एप्रिन में ही आए।
8 अभिभावकों को भी आमंत्रण पत्र दिया जाए।
9 बैठकों की व्यवस्था नियमित की जाए।
10 कार्यक्रम की विस्त□त रूप रेखा बनायी जाए।

अतः आपसे निवेदन है कि बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार अध्ययनरत छात्रों की संख्या तथा आयोजन में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों की सूची यथा□ीघ्र प्रेशित करने का कश्ट करें ताकि कार्यक्रम की रूप रेखा को अंतिम रूप दिया जा सके।

(एम0एच0 इदरीसी)

चेयरमैन

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0

8– लालबाग, कमला शर्मा मार्ग, लखनऊ–226001

प्रशा0 कार्या0 127/204 "एस" जूही, कानपुर–208014

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
01		EHडा0 गौरव द्विवेदी ID-UP74	उन्नाव	469/2 व्रन्दावन कालोनी, उन्नाव–209801	9935332052
02		EHडा0 रमेश कुमार द्विवेदी ID-UP61	रायबरेली	छजलापुर,आई0टी0आई0, रायबरेली–229010	9307885280
03		EHडा0 अमित कुमार विश्वकर्मा ID-UP46	लखीमपुर	ओदरहना, महेबागंज, लखीमपुर–261506	7398153468
04		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP37	जौनपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
05		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP29	गाज़ीपुर	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
06		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP18	चन्दौली	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
07		EHडा0 सैयद नदीम हुसैन ID-UP75	वराणासी	97–ए ओलन्दगंज, राजबहादुर, कटरा, जौनपुर–222001	8299202529
08		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP49	महाराजगंज	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
09		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP70	सिद्धार्थ नगर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
10		EHडा0 विनय कुमार श्रीवास्तव ID-UP31	गोरखपुर	हमीद नगर, नौतनवां, महाराजगंज–273164	9453914181
11		EHडा0 मुहम्मद इसरार खान ID-UP26	फिरोज़ाबाद	एरांव रोड, सिरसागंज, फिरोजाबाद–283151	9634503421
12		EHडा0 नेम सिंह बघेल ID-UP35	हाथरस	विवेक क्लीनिक,आगरा बाईपास रोड, सादाबाद, हाथरस–281306	8791443887
13		EHडा0 गणेश सिंह ID-UP32	हमीरपुर	सुमेरपुर, सागर रोड, हमीरपुर	9838714509
14		EHडा0 गया प्रसाद ID-UP36	जालौन	सुजानपुर, बरखेरा, जालौन–285203	8874429538
15		EHडा0 बृज किशोर शर्मा ID-UP02	अलीगढ़	गली न0–2, गोविन्द नगर, नौरंगाबाद, अलीगढ़–202001	9639520078
16		EHडा0 वकील अहमद ID-UP25	फतेहपुर	खम्बापुर, फतेहपुर–212601	8115210751
17		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP52	मऊ	निकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
18		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP06	आज़मगढ़	नकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
19		EHडा0 अयाज़ अहमद ID-UP09	बलिया	नकट पुराना ग्रामीण बैंक, क़ाज़ी टोला, वलीदपुर, मऊ–276405	9305963908
20		EHडा0 रश्मी पत्नी श्री दीप नारायण ID-UP41	कानपुर देहात	आस्तिक मुनी मंदिर के सामने, कोरियाँ, कानपुर देहात–209206	6394083854
21		EHडा0 मो0 अखलाक़ ID-UP22	इटावा	128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
22		EHडा0 सैयद तुफ़ैलुर रहमान ID-UP23	अयोध्या (फैज़बाद)	सादात , रौनही, अयोध्या (फैज़बाद)–224182	9956081159
23		EHडा0 जीना अर्शद ID-UP50	मैनपुरी	मोहल्ला फर्रास, पोस्ट घिरोर, मैनपुरी–205121	7078111447
24		EHडा0 श्रीमती मौहरश्री ID-UP01	आगरा	विवेक क्लीनिक,बमान रोड, पूठा चौराहा, पोस्ट–बाससौना, आगरा–283126	7500375933
25		EHडा0 बाबू खाँ फारुक़ी ID-UP21	एटा	अलशिफा हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक क्लीनिक, लोहा मण्डी, अकबरपुर हवेली, जलेसर, एटा	9219775696

पेज 4 पर जारी

जनपद इलेक्ट्रो होम्योपैथिक प्रभारियों की सूची

(पेज 3 से आगे)

क्रम	फोटो	नाम	जनपद	पता	मोबाईल
26		EHडा0 गुलशन बानो ID-UP05	औरैय्या	पुत्री श्री सपनीउल्ला खान, 128 – कटरा पुर्दल खान, इटावा –206001	7417775346
27		EHडा0 राम कुमार सिंह ID-UP17	बुलन्द शहर	खुर्जा, बुलन्द शहर–203131	9411003464
28		EHडा0 सुमित कुमार शर्मा ID-UP54	मेरठ	आई ब्लॉक, गंगा नगर, मेरठ–250001	9760033082
29		EHडा0 साहब सिंह बुन्देला ID-UP38	झांसी	वार्ड नम्बर–1, टहरौली किला, झांसी–284202	9450073220
30		EHडा0 अरुण त्यागी ID-UP33	हापुड़	असोड़ा रोड, हापुड–245101	7983052913
31		EHडा0 पुष्पा सिंह कुशवाहा ID-UP08	बहराइच	152– बशीरगंज, बहराइच–271801	9451758141
32		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP28	गाजियाबाद	बी0–71 श्याम पार्क एक्सटेन्शन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद	9412129598
33		EHडा0 राज कुमार तेवतिया ID-UP27	गौतम बुद्ध नगर	बी0–71 श्याम पार्क एक्सटेन्शन, साहिबाबाद, गाज़ियाबाद	9412129598
34		EHडा0 मु0 कलीम ख़ान ID-UP16	बदायूँ	वार्ड नम्बर–7 बनिया जंगपुरा, वज़ीरगंज, बदायूँ–273726	7078926140
35		EHडा0 ममिता शर्मा ID-UP51	मथुरा	32–सिविल लाइन्स, पुराना बर्फ़खाना, मथुरा–281001	9045659550
36		EHडा0 ईश कुमार ID-UP12	बाराबंकी	पिपरहा पोस्टः अजपुरा, बाराबंकी –225414	8299617759
37		EHडा0 मारुफ़ मियाँ ID-UP62	रामपुर	मकान न0–62 मोहल्ला सादात, पोस्ट–शाहाबाद, रामपुर–2444922	6397922688

क्षेत्रीय कार्यालय

कानपुर

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
127/204 "एस" जूही,
कानपुर–208014

सम्बद्ध मण्डल

कानपुर, चित्रकूटधाम, झाँसी, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, प्रयागराज, विन्ध्यांचल एवं वाराणसी

लखनऊ

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0
8–लाल बाग, कमला शर्मा मार्ग,
लखनऊ–226001

सम्बद्ध मण्डल

लखनऊ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, देवीपाटन, बस्ती, गोरखपुर एवं आज़मगढ़

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रबन्ध कमेटी के सदस्य बोर्ड के प्रशासनिक कार्यालय में स्वर्ण जयन्ती पर चर्चा करते हुये माननीय सदस्यगण क्रमशः वलीदपुर, मऊ से डा0 अयाज़ अहमद, ठीक सामने लखीमपुर से डा0 राकेश शर्मा, बगल में हमीरपुर–उत्तर प्रदेश से डा0 नरेन्द्र भूषण निगम सामने डा0 एम0 एच0 इदरीसी चेयरमैन, बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 व डा0 अतीक अहमद। – छाया गज़ट

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रबन्ध समिति के सदस्यों ने की स्वर्ण जयन्ती पर चर्चा

दिनांक 12 फरवरी, 2025 को बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रों होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 की प्रबन्ध समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 24 अप्रैल, 2025 को स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में भाग लेने वालों की सूची प्रत्येक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट/इन्सटीट्यूट/स्टडी सेन्टर/गाइडेन्स सेन्टर्स अपने अपने संस्थान/क्षेत्र से आने वाले चिकित्सक/छात्रों की संख्या कार्यालय को दिनांक 27 फरवरी, 2025 तक अवश्य भेजना सुनिश्चित करें विदित हो कि आने वाले सभी Participant को आई0 कार्ड दिये जायेगें इस हेतु सूची में कन्डीडेट का नाम, मोबाइल नं0 ,एक नवीनतम फोटो हार्ड कापी में कार्यालय को प्रेषित करें।

मार्च 2025 की वर्षिक A.C.E.H., C.E.H., G.E.H.S.,P.G.E.H. एवं F.M.E.H. की सेमेस्टर परीक्षाओं हेतु अनेक संस्थानों से फार्म अभी तक कार्यालय को प्राप्त नहीं हुये हैं जबकि कुछ संस्थानो ने सक्रियता दिखाते हुये फार्म प्रेषित कर दिये हैं, ज्ञातव्य हो कि फार्म भरने की अन्तिम तिथि 05 मार्च, 2025 है, परीक्षाओं की भी घोषणा हो गयी है ये परीक्षायें दिनांक 7, 8, 9, 11, 12, 15 एवं 16 अप्रैल पाठ्यक्रमानुसार आयोजित होगी अर्थात समस्त परीक्षायें दिनांक 7 अप्रैल से प्रारम्भ होकर 16 अप्रैल को समाप्त होगी।

परीक्षाओं का कार्यक्रम सभी केन्द्र व्यवस्थापक, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट/मेडिकल इन्सटीट्यूट/ स्टडी सेन्टर्स को भेजे जा चुका है।

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

नोट– स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्रों को एप्रिन में आना होगा वें चाहें तो अपने अभिभावकों को भी साथ ला सकते हैं।